

यज्ञपात्र पुं. (तत्.) यज्ञ में काम आने वाले पात्र, यज्ञभांड, यज्ञभाजन।

यज्ञपुरुष पुं. (तत्.) 1. सृष्टि निर्माता, ब्रह्मा 2. विष्णु, नारायण।

यज्ञभूमि स्त्री. (तत्.) 1. अग्निहोत्र का स्थान 2. यज्ञ के रूप में कार्य करने का स्थान।

यज्ञमंडप पुं. (तत्.) यज्ञ के लिए बनाया गया मंडप, यज्ञ के अनुकूल मंडप।

यज्ञवेदी स्त्री. (तत्.) यज्ञकुंड के सामने बना हुआ स्थान, जिस पर बैठ कर यजमान अग्निकुंड में आहुति डालता है, वेदी इस प्रकार निर्मित होती है जिससे आहुति डालने वाले का मुख पूर्व की ओर ही रहे।

यज्ञशाला स्त्री. (तत्.) 1. यज्ञ करने का स्थान, यज्ञमंडप, यज्ञभूमि 2. विशेष प्रकार से निर्मित एक बड़ा कक्ष जिसमें से यज्ञ द्वारा उत्पन्न धुआँ सहजता से बाहर निकल जाए।

यज्ञसूत्र पुं. (तत्.) मेखला का सूत्र, यज्ञोपवीत संस्कार में धारण किया जाने वाला सूत्र, जनेऊ, प्रारंभिक जनेऊ में केवल तीन सूती तार होते हैं, विवाह के पश्चात् इनकी संख्या छह हो जाती है।

यज्ञागार पुं. (तत्.) यज्ञशाला, यज्ञ का स्थान।

यज्ञाग्नि स्त्री. (तत्.) हवन की अग्नि, यज्ञकुंड की अग्नि, अग्निहोत्र की अग्नि।

यज्ञारि पुं. (तत्.) 1. यज्ञ का शत्रु 2. यज्ञ का ध्वंस करने वाला, असुर, राक्षस।

यज्ञेश्वर पुं. (तत्.) यज्ञ का ईश्वर, विष्णु, नारायण।

यज्ञोपवीत पुं. (तत्.) 1. एक संस्कार, जिसके द्वारा बालक का दूसरा जन्म माना जाता है, द्विज, ब्राह्मण रूपी जन्म, इस संस्कार के पश्चात् जनेऊ धारण कर लिया जाता है 2. जनेऊ, यज्ञ सूत्र।

यतचित्त वि. (तत्.) मन को काबू में रखने वाला, संयमी, अनुशासित।

यतनी वि. (तद्.) 1. बहुत सारी, काफी 2. यत्न करने वाला, प्रयत्नशील।

यतात्मा वि. (तत्.) संयमी, इंद्रियों को वश में रखने वाला, जितेंद्रिय।

यति पुं. (तत्.) संसार के आडंबर से मुक्त, संन्यासी वि. 1. इंद्रियों को वश में रखने वाला 2. त्यागी, ब्रह्मचारी स्त्री. रुकावट, रोक, रोकथाम, विराम, छंद पढ़ते समय रुकने का स्थान।

यतिधर्म पुं. (तत्.) संन्यास, नियमबद्धता, आडंबर हीन स्थिति, मोह-माया से विरक्ति।

यतिपात्र पुं. (तत्.) गृहस्थ जीवन को त्यागकर तथा सांसारिक प्रपंचों से दूर रहने वाले संन्यासी या ब्रह्मचारी का भिक्षा माँगने का एक विशेष पात्र, भिक्षापात्र।

यतिभंग पुं. (तत्.) 1. विराम 2. काव्य. काव्यगत छंद का वह दोष जिसमें यति अपने उचित स्थान पर न होकर कुछ आगे या पीछे होती है 3. पद्य में छंदशास्त्र के नियमानुसार यति संबंधी प्रयोग न किया गया हो।

यतिभ्रष्ट वि. (तत्.) वह पद्य या छंद जिसमें यतिभंग होने का दोष हो।

यती पुं. (तत्.) 1. संन्यासी 2. जिसने अपनी इंद्रियों को अपने वश में रखा हो तथा सांसारिक मोह-माया जाल से मुक्त हो गया हो, संयमी, त्यागी 3. यति।

यतीम वि. (अर.) 1. जिस बच्चे के माता-पिता न हों, अनाथ जैसे- यतीम बच्चों की शिक्षा-व्यवस्था आवश्यक है।

यतीमखाना पुं. (अर.+फा.) 1. यतीम बच्चों के पालन-पोषण का वह स्थान जो किसी मान्य या/सरकारी संस्था की देख रेख में हो 2. अनाथालय।

यत्किंचित् पुं. (तत्.) 1. जो कुछ 2. जरा-सा 3. थोड़ा-सा उदा- आप यत्किंचित् भोजन ले लीजिए।